Sixteenth Loksabha

an>

Title: Need to remove encroachment from natural water bodies and reservoirs to ensure sufficient flow of water in rivers in Uttar Pradesh.

श्री हुकुम सिंह (कैराना)ः पश्चिमी उत्तर प्रदेश में जल संकट निरंतर भयावह होता जा रहा है। बरसात के कुछ महीनों को छोड़कर पश्चिम की एक मात्र नदी यमुना 9 महीने तक सूखी रहती है जिसमें एक बूंद भी पानी नहीं होता, शेष स्थानीय बरसाती नदियां भी सूख जाती हैं। भूमिगत जल बढ़ाने लिए गांवों व नगरों में बने तालाबों, जलाशयों और झीलों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है।

मैं सुनिश्चित जानकारी के आधार पर उल्लेख कर रहा हूँ कि इनमें 90 प्रतिशत पर अवैध कब्जे हो चुके हैं। सर्वोच्च न्यायालय समेत उच्च स्तर पर कई बार इन जलाशयों को कब्जा मुक्त करने के आदेश हुए परन्तु कागजों तक सीमित रह गए। जनपद, शामली, मजफ्फरनगर, सहारनपुर में काठा नदी बहती थी जो इस समय पूर्णतः सूख चुकी है। जगह-जगह अतिक्रमण हो रहे हैं। सरकार यदि चाहे तो उक्त नदी में पानी की संभावना हो सकती है जिससे भूमिगत स्तर भी बढ़ेगा तथा लाखों किसान परिवारों को भी लाभ होगा।

मेरा आग्रह है कि समस्त जलाशयों को कब्जामुक्त कराकर जल संकट के समाधान हेतु युद्ध स्तर पर शीघ्र कार्यवाही की जाए।